जरुरी है माटी की भूख मिटाना : विश्व मृदा दिवस का किया गया आयोजन

चिन्यालीसौड़ ,उत्तरकाशी

दिनांक 05 दिसम्बर 2021 को विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान (भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद) के उत्तरकाशी जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र चिन्यालीसौड़ द्वारा चिन्यालीसौड के भड्कोट ग्राम में विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया जिसमें आस पास के किसानों को मृदा स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी प्रदान करने के साथ ही मृदा परीक्षण और मृदा नमूने एकत्रीकरण के तौर तरीके से अवगत कराया गया |

कार्यक्रम की शुरुआत केंद्र के उद्यान विज्ञान विशेषज्ञ डॉ पंकज नौटियाल द्वारा किसानों को मृदा स्वास्थ्य एवं मिट्टी की जाँच के फायदे एवं उपयोग के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी देकर की गयी | उन्होंने कहा कि मृदा में मुख्य एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों के संतुलन को बनाये रखने से ही हमारे खेतों की उत्पादकता बढ़ सकती है | उन्होनें किसानों से सीधा संवाद कर कहा कि समस्त किसानो को समय समय पर मृदा परीक्षण करवाना चाहिये | केंद्र के श्री वरुण सुप्याल द्वारा किसानों के खेत पर ही किसानों को मृदा नमूने लेने के तरीके

के बारे में प्रदर्शन के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गयी | उनके द्वारा मृदा परीक्षण करवाने तथा मृदा का पौधों के लिए महत्व आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी |

इसके साथ ही किसानों को पंचगव्य बनाने के तरीके एवं इसके महत्व पर भी जानकारी दी गयी | कार्यक्रम में कृषक वैज्ञानिक संवाद एवं किसान गोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें कृषकों से जुडी समस्याओं को जाना गया एवं उनके सवालों का उचित निराकरण भी किया गया | कार्यक्रम के दौरान केन्द्र में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बी एस सी कृषि के प्रशिक्षु विद्यार्थियों को कृषकों के खेतों का भी भ्रमण कराया गया जहां उन्होनें स्ट्राबेरी , मशरूम की खेती , विभिन्न साग सब्जियों एवं फूलों की खेती, आम का सघन वृक्षारोपण, वर्षा जल संचयन हेतु बनाये गये एल डी पी इ टैंक आदि को देखा | इस दौरान कार्यक्रम में केन्द्र में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बी एस सी कृषि के 35 प्रशिक्षु विद्यार्थी तथा क्षेत्र के प्रगतिशील कृषकों समेत 70 से अधिक लोग मौजूद रहे |